Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to start a 'Eat Right Compaign' and print on the packaged food 'Not suitable for children' to save the health of child and the future of country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदय, मैं एक ऐसे महत्वपूर्ण विषय की तरफ आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं जिस पर आप स्वयं चिंतित हैं, प्रधानमंत्री चिंतित हैं और चिंतित ही नहीं हैं, आप प्रयास भी कर रहे हैं । कल ही बालयोगी ऑडिटोरियम में डॉ. जे.वी. दीक्षित का "Keep Fit" पर व्याख्यान आपने करवाया है । स्वाभाविक है कि आपने स्वास्थ्य को एक महत्वपूर्ण विषय माना है । लेकिन जो रिपोर्ट्स आ रही हैं कि आज बच्चों में पेकेज्ड जंक फूड खाने का प्रचलन बढ़ रहा है । Nationwide Seventh Annual School Health Fitness Study, 2016 की रिपोर्ट आयी है । इस रिपोर्ट में आया है कि आजकल स्कूलों में फिटनेस का लेवल कम होता जा रहा है और खास तौर से शहरी इलाकों में । जहांगीर हॉस्पिटल, पुणे ने भी किया है और यूसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ, लंदन ने भी किया है, जिसमें 30 परसेंट बच्चे ओबेसी या ओवरवेट के शिकार हैं । इर्रेग्यूलर फूड हेबिट्स या जंक फूड के कारण 70 परसेंट बच्चे बीमार हो रहे हैं । इसके कारण उनको मेटाबॉलिक सिंड्रोम हो रहा है, पुअर फिज़ीकल हेल्थ हो रही है, रेस्पाइरेट्री प्रॉबल्म्स हो रही हैं, यह तमाम सब हो रहा है । तीन सौ स्कूल्स के 9 से 17 साल के 13300 बच्चों का सर्वे हुआ है, जिसमें पाया गया कि 93 परसेंट बच्चे ऐसे हैं जो पेकेज्ड फूड खाते हैं, 60 परसेंट हाई सॉल्ट और हाई शुगर खाते हैं और 53 परसेंट बच्चे एक दिन में खाते हैं । माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी यहां बैठे हैं, इन्होंने रेग्यूलेट करने के लिए फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया बनायी है जो फूड को रेग्यूलेट करते हैं और बच्चों के लिए खास तौर से Food Safety and Standards (Safe Food and Healthy Diets for School Children) Regulations, 2019 भी है । लेकिन इसके बावजूद भी जिस तरह का प्रचलन है, मैं आपके माध्यम से

माननीय मंत्री जी से मांग करना चाहता हूं कि कम से कम एक Eat Right Campaign हो और स्वास्थ्य को नुकसान होने से रोकने के लिए कम से कम इस तरीके से लिखा जाए as not suitable for children जो पेकेज्ड फूड्स हैं, उन पर एक वॉर्निंग हो, जिस प्रकार से सिगरेट पर होती है "Cigarette is injurious to health". यही मैं आपके माध्यम से बच्चों के लिए, जो भारत का भविष्य हैं, उनको बचाने के लिए आग्रह करना चाहता हूं । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री रंजीत सिन्हा, हिंदूराव नाईक निम्बालकर, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे और श्रीमती रेखा वर्मा को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।